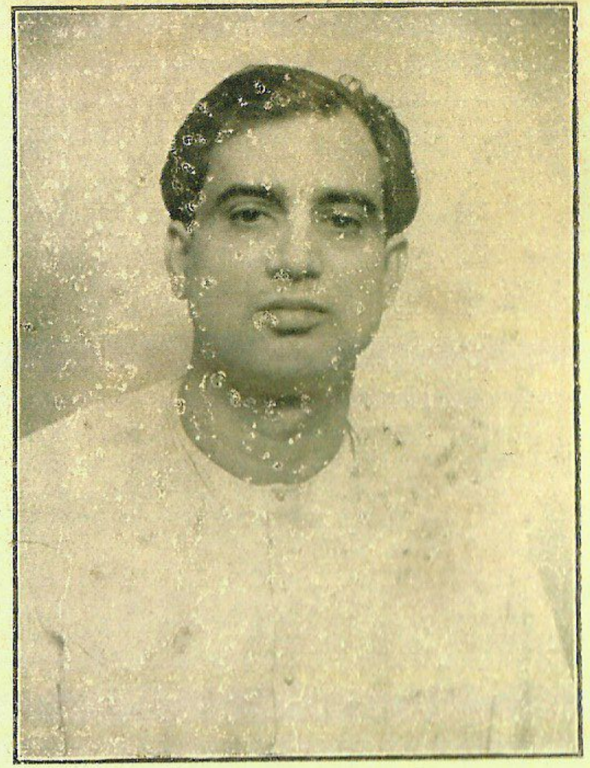
321

मेगाफोन रेकर्ड



Sm. KANAN DEBI (New Theatres)
On Record No. J. N. G. 1081

January, 1939] [जनवरी, १९३९



Prof JNANENDRA PRASAD GOSWAMI

मेगाफोन रेकर्ड

प्रेम संगीत की झनकार   सुस्वर गानोकी बहार

नये वर्ष के उपलक्षमें

हमारे

मेगाफोन कम्पनी को

अपूर्व भेटपुरस्कार

प्रिय सज्जनो संसार में कोई ऐसा व्यक्ती नहीं है जो दु:खो से दूर भाग कर थोड़ी देर के लिये सुख शांती न चाहता हो परन्तु सच्ची शांती ढूंड़ी जाए तो कहां है अनहद नाद में सुस्वरो के स्वाद में प्रेम संगीत की याद में मीठे स्वरो की झनकार सुनकर दुखिया आत्म विस्मृत होकर दु:खो को भूल जाता हैं। थका मांदा सुरीली तान सुन कर अपनी हरारत मिटाता है और फिर ताज़ा दम हो जाता है। बिमार के सरहाने मनहर गाने का अमृत रस बरसानें से रोग काफूर की तरह भाग जाता है। इस लिये संगीत एक ऐसी संजीव बूनी टी है की हर दु:ख कष्टो में लाभ दायक प्रतीत

होता है। परन्तु इस संजीवनी को आप महानुभावों के लाभ के हेत और दुःख निवारणार्थ वर्षों से आज तक अनेक कष्ट परिश्रम से ढूढ़कर किसने भेट किया—तो—हमारे मेगाफोन कम्पनी ने तथा उसका सच्चा श्रेय किस को है तो हमारे कम्पनी के मालिक श्रीमान मान्यवर नामदार—जे-एन-घोष बाबू साहेब को जिन्हों नें अपने अपूर्व उत्साह तथा अथक परिश्रम से ऐसा अपूर्व नुस्खा खोज निकाला है के जो आप सज्जनो को सच्चा लाभ दायक और संतोष प्रद प्रतीत हुआ। इस लिये श्रीमान घोष बाबू की जितनी प्रशंसा की जाय और जितना धन्यवाद उन्हे दिया जाय वह थोड़ा ही है हमारी मेगाफोन कम्पनी ने आप महानुभावो को रिझा नें और आनंदित करने का बिड़ा उठा कर सच्चा सुख पहुंचाया हैं। उसी तरह हमेशा सच्ची लगन से आपकी सेवा करती रहेगी और जिस तरह आप सज्जनो नें इस देश भक्त कम्पनी को अपनाकर उसका उत्साह वढ़ाया है। इसी तरह आइंदा भी उसके अपूर्व भेटका उचित पुरस्कार देकर क़द्र और इज़्ज़त के साथ उसका दूना हौसला वढ़ाएगें और इस वर्ष की अमूल्य भेट को सच्चे दिल से अपनाएगें।

—–

मेगाफोन रेकार्ड कीमत	२।)	Rs. 2-4-0
न्यू-थियेटर्स मेगाफोन रेकार्ड कीमत	२॥।)	Rs. 2-12-0
मेगाफोन जूनियर रेकार्ड कीमत	१)	Re. 1-0-0

नये वर्षके उपलक्ष में
मेगाफोन कम्पनी की
अपूर्व भेंट पुरस्कार

न्यू-थियेटर्स मेगाफोन रेकार्ड

पर

न्यू-थियेटर्सके प्रसिद्ध और नूतन फिल्म

"स्ट्रीट सिंगर"

श्रीमती कानन देवीके जादू भरे गाने

Music Direction. Mr R. C. Boral Saheb
(New Theatres)

Sm. Kanan Devi

J.N.G. 1081 { सांवरिया प्रेमकी बंसी वजाए — स्ट्रीट सिंगर
ऋतु है सोहावनी मस्त हवाए — ,,

श्रीमती कानन देवी को संगीत साम्राज्य की साम्राज्ञी कहना ही उचित है, आप अपने स्वर माधुरी से कवी कलपना का सच्चा चित्र अंकित कर देती है। आपकी स्वर लहरी छनकर यह मालूम होता है के कोई स्वर्ग की अप्सरा अपने स्वर संगीत से मृत्यू लोक के मृतःप्राय जीवो को पुनर्जीवन प्रदान करने के हेत अमृत रस वरसा रही है। जिसने एक मर्तबा इनका गाना सुना उसकी अतृप्त वासना अनेक वार उसी मनहर गायन को सुनने को लालाइत रहती है। इस मर्तवा आपने न्यू थियेटर्स के सफल डाइरेकटर श्रीयुत फणिंद्र मुजुमदार साहेव की सफल पिकचर "स्ट्रीट सिंगर" के गाने दिये हैं जिसको सुरस रसिक समाज सुनकर ही प्राप्त कर सकते है और नई खूबी की बात तो यह है के श्रीमान संगीताचार्य राय साहेब बोराल को संगीत परिचालन में वह खूवी और जादू है के जो नई चीज आती है वह एक माधुर्य तथा नया आकर्षण पैदा करके मनुष्य मात्र को मुग्ध कर देती है। इस लिये हमारा आग्रह है के इस रेकार्ड को खरीद कर अवश्य सुनिये और आनन्द उठाये।

पहली तरफ

सांवरिया प्रेम की बंसी वजाए
पतली पतली ज़रा सी वंसी बड़े बड़े गुण गाए
सात सुरो की फेर बदल से सारे राग वजाए ॥
निर्मोही को रूप दिखाए मोही को तरसाए
मुहं पर डाल के काली कमलिया दिन को रात वनाए
आप तो प्रीत की रीत न जाने और को पोत सिखाए

प्यार पे मारे वान नज़र का आंख का चक्र घुमाए।
मन के ध्यान से राधा रानी लम्बी दौड़ लगाए ॥
मथुरा से गोकुल तक जाए दर्शन कर लौट आए।
लौट आए फिर जाए लौट आए फिर जाए बंसी वजाए ॥

दूसरी तरफ

ऋतु हैं सोहावनी मस्त हवाएं
छाई है ऊदी ऊदी घटाएं।
सुख का जागना सुख का सोना
हर करवट सुख होना।
दुनिया आगे बढ़े तो हम भी पीछे क्यों रह जाएं
फूलो से रानाई सीखे, गुंचो से ज़ेबाई सीखे,
जैसे रंग रचे हो सब मे, वही रंग रंग जाए

Miss Kamala (Jharia)
मिस कमला (झरिया)

J.N.G. 1082 { किसी को देके दिल — गज़ल
सब कहां कुछ लालओ गुल — ,,

मिस कमला झरिया ने अपने अपूर्व गुणों से दुनिया को रीझा कर अच्छी ख्याती प्राप्त करली है। आपके कंठ की मधुरता ने और गान कला ने मुर्दा संगीत मे एक नई जान का संचार कर दिया है। आपके गले मे वह

अमृत रस भरा है कि जिसको पान करने से प्राणी मात्र उस स्वर्गीय संगीत मे बद मस्त होकर आत्म विभोर हो जाता है। इस वास्ते इस रेकार्ड को सुनकर सच्चा सुख लुटिये।

पहली तरफ

सब कहां कुछ लाल ओ गुल मे नुमायां हो गईं
खाक़ में क्या सूरते होंगी की पिनहा हो गईं
क़ैद में याक़ूब ने ली गोन यूसुफ की खबर
लेकिन आंखे रौज़ने दिवार ज़िन्दां हो गईं
नीद उसकी है दिमाग़ उसका है रात उसकी है
तेरी ज़ुलफे जिसकी बाज़ू पर परीशां हो गईं
रंजीशें खूगर हुआ इनसां तो मिट जाता है रंज
मुसकिले मुझपर पड़ी इतनी की आसां हो गईं

दूसरी तरफ

किसी को देके दिल कोइ नवा सजे फुगां क्यो हो
न हो जब दिल ही सीने में तो फिर मुह में ज़बा क्यो हो
वफा कैसी कहां का इश्क जब सर फोड़ना ठैरा
तो फिर ए संगदिल तेरा ही संगे आसता क्यों हो
कफस में मझसे रूदादे चमन कहते न डर हम दम
गिरी है जिस पे कल बिजली वह मेरा आशियां क्यों हो
निकाला चाहता है काम क्या तानो से तू 'ग़ालिब'
तेरे बेमेहर कहने से वह तुझपर मेहरवां क्यो हो

मिस कमला (झरिया) के पिछले माह के प्रसिद्ध रेकार्डस्

J.N.G. 1019	मेरे अरमान कहां मुझको,	Miss Kamala (Jharia)
	इतना तो मोहब्बत में,	,,
J.N.G. 1025	इतनी को कहयो,	,,
	जसोदा के लाल,	,,
J.N.G. 1035	सिरे अटारी सुन्दर	,,
	एक पाप में कियो	,,
J.N.G. 1043	दद को दर्द	,,
	काम दो करती है	,,
J.N.G. 1048	मैं दिल लाके २	,,
	माही नाल अंख	,,
J.N.G. 1054	मोहम्मद नबी हैं	,,
	अहमद प्यारे	,,
J.N.G. 1065	प्रानी राम सदा मुख बोल	,,
	हरी नाम से नेहा लागे	,,
J.N.G. 1071	न तो दिल मे	,,
	जखमो से कलेजे को	,,
J.N.G. 1077	नी मै लुटिया	,,
	मैनू तेरी याद	,,
J.N.G. 1079	कारे नयन मधवा के कटोरे	,,
	पिया के विन जिया में नाही	,,

Prof. Jnanendra Prasad Goswami

प्रो: ज्ञानेन्द्र प्रसाद् गोस्वामी

J.N.G. 1083	रटत रटत राधा मन मोहन	मालगुंजरी
	सखी श्याम सुन्दर की छबी	दुर्गा

प्रो: ज्ञानेन्द्र प्रसाद गोस्वामी के इस महीने के रेकार्ड ने तो ऐसी धूम मचा दी है के स्टाक मे बचने ही नही पाता क्यों न हो आप गाना भी तो ऐसा हो गाते है और आप खुद भी समझ सकते है। मालगुंजरी और दुर्गा राग कितना मीठा राग है आपकी प्रशंसा करना बिलकुल बेकार है। इसका मज़ा तो सुनने ही से हांसिल होगा सुनिये और जरूर सुनिये।

पहली तरफ

रटत रटत राधा मन मोहन
रसना पल झलकाए
ललीता किशोरी प्रीत निरखत हो
ऐसी जीवित जनम भीखारी
रटत रटत ॥

दूसरी तरफ

श्याम सुन्दर छबी आज निरखि
चकित भई तन की सुध भुलाई
मोर मुकुट कटी कांचरी
गर बैजनती माला
श्याम सुन्दर ॥

प्रो० ज्ञानेन्द्र प्रसाद गोस्वामी के पिछले प्रसिद्ध रेकाड्स्

J.N.G. 508	अवगुन चित न धरो / अबके बेर भई, ललनवा	Prof. Jnanendra Prasad Goswami
J.N.G. 942	बसो मेरे नैनन में / लागी लटक गुरु	,,
J.N.G. 1027	भजो रघुबर श्याम / जगत नाथ जगदिशवर	,,
J.N.G. 1066	बन बन ढ़ुडन जाऊं / कोन करत तोरी बिनती	,,
J.N.G. 1069	तुम जागो मोहनप्यारे / श्याम सुंदर की सुंदर मुरलिया	,,

---

Miss Akhtari Bai (Fyzabad) Film Star

मिस अख़्तरी बाई (फैज़ावाद) फिलम स्टार

J.N.G. 1084	तेरे इश्क चे यार मैं तो	पंजावी
	यार दे द्वारे उथे	,,

मिस अख्तरी बाई के गले मे कुदरत ने कुछ एसे खटके भर दिये है कि आदमी आपके गाने मे इसकदर मस्त हो जाता है कि उसको अपने तन बदन की बिलकुल सुध नही रहती। इस नये बर्ष की खुशी में आपने आप सज्जनो की सेवा में दो अनमोल पंजाबी गाने पेश किये है कि आप इस

गाने की मोहीनी मे एकदम आत्म विभोर हो जाएगे। जिस तरह आप गान विद्या में निपुण है उसी तरह इस भाषा पर भी आपका अच्छा अधिकार है और ऐसा मालूम होता है कि कोइ पैदाइशी पंजाब की परी बुलबुल हज़ार दास्तां की तरह चहक रही है। इस रेकाड की तारीफ तो एकबार सनने ही से प्राप्त हो गी।

पहली तरफ

तेर इश्क चे यार मैं तो तंग होगया
देख जलवा तेरा मूसा दंग होगया।
आ नही दिलबर प्यारे
तेरे इश्क चे पाए नज़ारे ॥
कहर बाज़ी यार पुकारे
सूली टंग हो गया।
तेरे इश्क चे यार मैं तो ॥

सीने तीर इश्क वाला लाया
हुण क्यों सातूने मुख छीपाया।
तन मन आरे बठ जराया
इश्क विच रंग हो गया ॥

दूसरी तरफ

यार दे द्वारे उथे धूनी रमाई जाईं
खैर मिले ना मिले अलख जगाई जाईं
इश्क दा रेवाज रखीं
आश्कां दी लाज रखी

शमश तवरेज़ मांगू खलनू लुहाए जाईं
यार दे ॥
हौसला ना तोड़ बैठी
मुखड़ा ना मोड़ बैठी
दिल नू ठीकाने रखीं
कदम बढ़ाई जाईं
यार दे ॥

मिस अख़्तरी बाई (फैज़ाबाद) के पिछले माह के प्रसिद्ध रेकार्डस्

J. N. G. 1015	ना क़ाबू में है दिल मेरा अरमान दीद का सरे महफ़िल	Miss Akhtari Bai (Fyzabad)
J. N. G. 1020	बनवारी हो हमरा के जोश गिरयां और अधेरी रात है	,,
J. N. G. 1026	चैन किस दिन मुझे जान भी नज़रे बुत	,,
J.N.G. 1036	माई व माई वे कमली सदा बां	,,
J.N.G. 1042	दिवाना बनाना है वफाओं के बदले	,,
J.N.G. 1049	मेरे पिया बसे परदेश डफ घिरोले	,,
J.N.G. 1050	क्या सोज़े मुहब्बत में दिल मे तेरी निशा	,,

J.N.G. 1053 { आज़माइस में जान ,,
दिल शिकन साबित, ,,

J.N.G. 1058 { खुदा के वास्ते हां २ ,,
जो सुनता सोज़ें ग़म दिल से ,,

J.N.G. 1064 { सुनले सजनी ,,
सजनीके लिये तन मन धन ,,

J.N.G. 1070 { मेरे आका रसूले खुदा ,,
मुझे दर दर न भटका ,,

J.N.G. 1074 { ज़लवा जब दर अस्ल जलवा होगया ,,
क़फस में रह के ,,

J.N.G. 1078 { तसवीर बन गया हू दिले बेकरार की ,,
यूं तो जो चाहे यहां साहिबे सहफ़िल ,,

मेगाफोन जूनियर रेकार्ड दाम १) रुपया

Prof. Allauddin Sircar
प्रो० अलाउद्दीन सरकार

M. P. J. 501 { बहू अपने ससूराल — कामिक
पंडित बाबा जी — ,,

Imam Uddin Quawal
इमाम उद्दीन कव्वाल

M. P. J. 502 { इस तरह तोड़ मेरे दिल को — गज़ल
बुतों मे मैं क्या कहुं क्या — ,,

NEW THEATRES
MEGAPHONE RECORD

"न्यू थियेटर्स मेगाफोन रेकार्ड्स् पर"
"क्या"
न्यू थियेटर्स के प्रसिद्ध फ़िल्म 'मुक्ति' 'विद्यापति' अभागिन 'अनाथ आश्रम' और 'स्ट्रीट सिंगर' के मस्त करदेन वाले गाने

Sm. Kanan Devi

J.N.G. 1081 { सांवरिया प्रेम की बंसी बजाए — स्ट्रीट सिंगर
ऋतु सोहावनी मस्त हवाए — ,,

J.N.G. 1073 { प्रीतम से प्रीत निभाऊंगी — स्ट्रीट सिंगर
लक्ष्मी मूरत दरस दिखाए — ,,

Mr. Akbar Khan (Peshawari)

J.N.G. 1068 { कौन है किसका मीत — अभागिन
Mr. Vijay Kumar B.A.
जल बिन कैसे बूझेगी प्यास

Shreemati Molina Dasi

J.N.G. 1063
- एक नेक तबीयत राजा था — 'अभागिन'
- नैनन के अंसुअन से बिरहिन — ,,

Miss Kamala (Jharia)

J.N.G. 1057
- जिगर के घाव को उपर का मरहम — 'अभागिन'
- तुमसे मांगने में लाज आये — ,,

Sm. Kanan Devi

J. N.G 1047
- देखत है अब बाट पिया की — "विद्यापति"
- हमारी नगरिया में — ,,

Sm. Kanan Devi

J. N. G. 1041
- कैसा उजड़ा चमन — "मुक्ति"
- Sm. Kanan Devi & Mr. Dhumi Khan: अमवा की डाली २ — "विद्यापति"

Miss Kalyani

J. N. G. 1034
- हम बेकसों का (Mr. Dhumi Khan) — "मुक्ति"
- भूल करे पछताये — ,,

Sm. Kanan Devi

J. N. G. 1033
- डोले हृदय की नैया — "विद्यापति"
- मोरे आंगना में आये आली — ,,

Sm. Kanan Devi

J. N. G. 1018
- सांवरिया मन भायो रे — "मुक्ति"
- नजाने क्या है दिलका राज़ — ,,

Mr. Dhumi Khan & Party

J. N. G. 994
- कहानी दुख भरी — "अनाथ आश्रम"
- New Theatres' Chorus Boys
- सरकार यह गुलाम — ,,

Miss Kalyani

J. N. G. 986
- पायल बाजे — "अनाथ आश्रम"
- जो उन गुज़री हुइ — ,,

Hear the Film Hits from

PROFULLA PICTURE'S

"MA"

Sm. Kanan Devi

J.N.G. 919
- मनकी बतियां कासे बोलूं — "मां"
- रह रह उठती टीस हृदय में — ,,

——

मेगाफोन कम्पनी के धार्मिक नाटक

"मीरा बाई"

MIRA BAI

(लेखक—श्रीमान केशव प्रसाद जी "देहलवी")

J. N. G. 816 to 819

सम्पूर्ण नाटक चार रेकार्डोंमें

Price per set Rs. 9. मूल्य—९)

"श्री सत्यनारायण कथा"

SHREE SATYANARAYAN KATHA

(लेखक—श्रीमान पं० माधव शुक्ल जी)

J. N. G. 800 to 803

सम्पूर्ण कथा चार रेकार्डोंमें

Price per set Rs. 9. मूल्य—९)

"सती पार्वती"

SATI PARVATI

J. N. G. 733 to 736

सम्पूर्ण नाटक चार रेकार्डोंमें

Price per set Rs. 9. पूरासेट —मूल्य—९)

"नल दमयन्ती"

NAL DAMYANTI

J. N. G. 1029 to 1032

सम्पूर्ण नाटक चार रेकार्डोंमें

Price per set Rs. 9. पूरासेट—९)



Miss KAMALA (Jharia)



Miss AKHTARI BAI (Fyzabad) Film-Star

Edited and Published by A. M. Sen Gupta for and on behalf of the Megaphone Co.
77-1, Harrison Road, Calcutta and
Printed by A. N. Mitra, at the Narkeldanga Printing House,
23, Sastitala Road. Calcutta.